Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Memorial Lecture on ' Fundamental Duties'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-09-2022**

हकेंवि के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद की स्मृति में व्याख्यान का आयोजन

संस्थापक कुलपति के कार्यों को याद किया, अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा की स्मृति में शुक्रवार को पहला व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

इस दौरान प्रो. मूलचंद शर्मा के परिवार के सदस्यों सहित, विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, सहकर्मी व विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी का धन्यवाद व्यक्त किया। मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी ने मौलिक कर्तव्यों पर व्याख्यान दिया।

मानवाधिकारों के पैरोकार के रूप में प्रो. शर्मा को याद करते हुए उन्होंने श्रोताओं को बताया कि प्रो. शर्मा मौलिक कर्त्तव्यों में दृढ़ विश्वास रखते थे। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रो. मूलचंद शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. रेनु यादव ने प्रो. मूलचंद शर्मा के जीवन के विभिन्न पहलुओं और कार्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. वीकेएन बंसल, अशोक अरोड़ा, डॉ. इंदु यादव, प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. स्नेहसता ने प्रो. शर्मा के व्यक्तित्व के बारे में प्रतिभागियों को बताया। डॉ. कृष्णा आर्य ने प्रो. शर्मा के लिए गीत के माध्यम से अपने प्यार और सम्मान का इजहार किया। इसी क्रम में प्रो. मूलचंद शर्मा की पत्नी डॉ. पवन शर्मा और बेटी दिव्या ने प्रो. शर्मा के बारे में अपनी भावनाओं को साझा किया। उन्होंने प्रो. शर्मा की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कुलपति, प्रो. टंकेश्वर कुमार और उनकी टीम को धन्यवाद दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 10-09-2022**

व्याख्यान • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा की स्मृति पर कार्यक्रम

मानवाधिकारों और मौलिक कर्तव्यों पर दृढ़ विश्वास की जरुरत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति स्वर्गीय प्रो. मूलचंद शर्मा की स्मृति में पहला व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. मूलचंद शर्मा के परिवार के सदस्यों सहित, विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, सहकर्मी व

विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस तरह का आयोजन हर वर्ष आयोजित करने का सुझाव दिया ताकि हमारी आने वाले पीढ़ी प्रो. मूलचंद शर्मा के जीवन और कार्य से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सके। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी ने मौलिक कर्तव्यों पर व्याख्यान दिया। मानवाधिकारों के पैरोकार के रूप में प्रो. शर्मा को याद करते हुए उन्होंने श्रोताओं को बताया कि प्रो. शर्मा मौलिक कर्तव्यों में दृढ़ विश्वास रखते थे। न्यायमूर्ति सीकरी ने भारत के संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों को विस्तार से बताया। पूर्व कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रो. मूलचंद शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. रेनु यादव ने प्रो. मूलचंद शर्मा के जीवन के विभिन्न पहलुओं और कार्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. वीके एन बंसल, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव अशोक अरोड़ा, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूर्व शिक्षक डॉ. इंदु यादव, विश्वविद्यालय के शिक्षकों प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. स्नेहसता सहित अन्य पूर्व छात्रों आदि ने भी स्वर्गीय प्रो. शर्मा के व्यक्तित्व के बारे में प्रतिभागियों को बताया और अपने अनुभव साझा किए।

हकेवि की पूर्व शोधार्थी डॉ. कृष्णा आर्य ने प्रो. शर्मा के लिए स्वलिखित और संगीतबद्ध एक गीत के माध्यम से अपने प्यार और सम्मान का इजहार किया। इसी क्रम में प्रो. मूलचंद शर्मा की पत्नी डॉ. पवन शर्मा और बेटी सुश्री दिव्या ने प्रो. शर्मा के बारे में अपनी भावनाओं को साझा किया। उन्होंने प्रो. शर्मा की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कुलपति, प्रो. टंकेश्वर कुमार और उनकी टीम को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन प्रो. आनंद शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।